मध्य प्रदेश का 9वाँ टाइगर रज़िर्व

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) ने **शिवपुरी ज़िले** में माधव राष्ट्रीय उद्यान को टाइगर रज़िर्व के रूप में मान्यता देने की स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्णय के परिणामस्वरूप, माधव **मध्य प्रदेश में 9वें बाघ आरक्षित क्षेत्र के रूप में स्थापित होगा।**

- समिति ने पार्क में एक नर और एक मादा बाघ को छोड़ने की अनुमति भी प्रदान की।

मुख्य बिंदु

- **प्रस्तावित बाघ अभयारण्य क्षेत्र:**
  - इसका विस्तार 1,751 वर्ग किलोमीटर होगा, जिसमें 300 वर्ग किलोमीटर का मुख्य क्षेत्र शामिल होगा।
  - 75 वर्ग किलोमीटर और 1,276 वर्ग किलोमीटर का बफर ज़ोन होगा।
  - सफल प्रजनन कार्यक्रम के बाद, **माधव राष्ट्रीय उद्यान ने सितंबर 2024 में बाघ शावकों के जन्म के साथ बाघ संरक्षण में एक मील का पत्थर स्थापित किया।**
- **बाघ पुन:प्रवेश का दूसरा चरण:**
  - मध्य प्रदेश वन विभाग पुनः बाघों को लाने के दूसरे चरण की तैयारी कर रहा है, जिसमें बांधवगढ़, कान्हा **या** संजय-दुबरी राष्ट्रीय उद्यानों से अतिरिक्त बाघों को लाना शामिल है।
- **दीर्घकालिक विस्तार योजनाएँ:**
  - माधव टाइगर रज़िर्व **पाँच वर्षों के भीतर 1,600 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विस्तार करने की दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है।**
  - 100 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले बाघ सफारी की भी योजना बनाई गई है, जिसमें 20 करोड़ रुपये का बुनियादी ढाँचा निवेश होगा, जिससे **पारिस्थितिकी पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने की आशा है।**
- **संरक्षण और पारिस्थितिक पर्यटन लाभ:**
  - इस पहल का उद्देश्य माधव और कुनो राष्ट्रीय उद्यानों **में वन्यजीव प्रबंधन को सुदृढ़ करना है।**
  - इस परियोजना से इको-पर्यटन को बढ़ावा मिलने तथा स्थानीय समुदायों को लाभ मिलने तथा क्षेत्रीय विकास में योगदान मिलने की आशा है।
- **मध्य प्रदेश की लंबित अधिसूचनाएँ:**
  - **रातापानी वन्यजीव अभयारण्य,** जिसे **वर्ष 2008 में बाघ अभयारण्य** के रूप में **सैद्धांतिक मंज़ूरी दी गई थी,** अभी भी आधिकारिक अधिसूचना का इंतजार कर रहा है।
  - **रिपोर्टों से पता चलता है कि रातापानी के निकट खनन गतिविधियों के कारण** राजनीतिक प्रतिरोध के कारण इसके औपचारिक नामकरण में देरी हुई है।

माधव राष्ट्रीय उद्यान

- **परिचय:**
  - माधव राष्ट्रीय उद्यान मध्य प्रदेश के शिवपुरी ज़िले में स्थित है।
  - यह ऊपरी विंध्य पहाड़ियों **का एक हिस्सा है।**
  - यह पार्क मुगल बादशाहों और ग्वालियर के महाराजाओं का शिकारगाह था। इसे वर्ष 1959 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा मिला।
- **पारिस्थितिकी तंत्र:**
  - इसमें **विविध पारिस्थितिकी तंत्र है** जिसमें झीलें, शुष्क पर्णपाती और शुष्क कांटेदार वन शामिल हैं।
  - यह वन बाघों, तेंदुओं, नीलगाय, **चिंकारा** (गज़ेला बेनेट्टी) और **चौसिंघा** (टेट्रासेरस क्वाड्रिकॉर्निस) तथा हिरणों (**चीतल,** सांभर और बार्किंग डियर) का पर्यावास है।
- **बाघ गलियारा:**
  - यह पार्क देश के **32 प्रमुख बाघ गलियारों में से एक के अंतर्गत आता है, जो बाघ संरक्षण योजना के माध्यम से संचालित होते हैं।** बाघ संरक्षण योजना वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 **के तहत कार्यान्वित की जाती है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/madhya-pradesh-s-9th-tiger-reserve